AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

विशिष्ट शैली विकसित करें युवा कलाकार

कला एवं शिल्प महाविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में व्याख्यान

माई सिटी रिपोर्टर

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते व पेंटिंग बनाते छात्र-छात्राएं। -संवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय पर भारतीय प्राचीन चित्रकला, टैगोर परिवार की कला और अमृता शेरगिल की कला के साथ-साथ बंगाल स्कूल का भी मुखर प्रभाव है। इनका प्रभाव महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों पर भी पड़ता है। इसके बावजूद युवा कलाकारों को अपनी विशिष्ट शैली विकसित करनी चाहिए। कॉलेज के स्थापना दिवस समारोह के तीसरे दिन आयोजित व्याख्यान में चित्रकार अशोक भौमिक ने युवाओं को यह संदेश दिया।

छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर प्रो. राजन श्रीपाद फुलारी (डीन, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन) तथा अशोक भौमिक (चित्रकार व कला इतिहासकार, नई दिल्ली) का महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रतन कुमार ने स्वागत किया। राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने शास्त्रीय नृत्य का प्रदर्शन किया। इसमें इन्होंने कथक में शिव आनंद तांडव तथा शूफियाना अंदाज में संयोग शृंगार पर नृत्य कर सबका ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आलोक कुमार ने सभी को धन्यवाद दिया।

HINDUSTAN PAGE 8

मोनोजेनिया में 15 व्याख्यान पेश किए

लखनऊ। एलयू में रविवार से मोनोजेनिया पर चार दिवसीय संगोष्ठी शुरु हुई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक राय ने संगोष्ठी का शुभारंभ किया। पहले दिन 15 व्याख्यान और 23 पोस्टर पेश किए गए। प्राणीशास्त्र विभाग, हेल्मिन्थोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की संगोष्ठी के पहले दिन अलग-अलग देशों के 30 से ज्यादा विदेशी और 34 भारतीय शोधकर्ताओं ने प्रतिभाग किया। कुलपति ने कहा कि विदेशी ऐतिहासिक सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा करें। इससे वह आसानी से भारतीय संस्कृति से रूबरू हो सकेंगे। सचिव डॉ. अमित त्रिपाठी ने बताया कि पहले दिन कुल 15 व्याख्यान-23 पोस्टर पेश किए गए।

i-NEXT PAGE 6

21वीं सदी में मोनोजेनियन वर्गीकरण के महत्व और स्थिति पर किया मंथन

एलयू में मोनोजेनिया पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की हुई शुरुआत

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (8 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी कुलपति विजयेंद्र विक्रम की ओर से हेल्मिन्थोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से मोनोजेनिया पर चार दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन रविवार को हुआ. कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया. कार्यक्रम में 30 से अधिक विदेशी और 34 भारतीय शोधकर्ताओं ने भाग लिया. यह संगोष्ठी 11 अक्टूबर तक चलेगी. चार दिवसीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. अमित त्रिपाठी ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और इस संगोष्ठी के बारे में बताया. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि कार्यक्रम में सम्मिलित हुए विदेशी नागरिकों की उपस्थिति पर खुशी जाहिर की. उन्होंने कहा भी सुझाव दिया कि विदेशी प्रतिनिधि लखनऊ और भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा करें.

हुए दंगारंग कार्यक्रम

सगोष्ठी के तहत शाम को रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. भारत की बंसरी और लोक संस्कृति को प्रस्तुत किया गया. अनुभव इकाइ की ओर से प्रसिद्ध भारत के भारतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति के साथ समन्वय समूह द्वारा कथक के माध्यम से गणेश वंदना और उसके बाद सूफी कथक प्रस्तुत किया गया. तबला व सितार जुगलबंदी में नवीन मिश्र, संकल्प मिश्र व विकास मिश्र ने छाप छोड़ी. तुषार राणा द्वारा राजस्थानी, हरियाणवी एवं पंजाबी लोकनृत्य प्रस्तुत किये गये. अभिनव श्याम तिवारी ने अपने गिटार पर अंग्रेजी गानों की धुन बजाकर विदेशी मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया. अंत में लविवि के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने श्रीलंका की अद्भुत प्रस्तुति दी.जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम का संचालन जंतु विज्ञान विभाग से डॉ.आकांशा ने किया तथा कार्यक्रम की समन्वयक अर्थशास्त्र विभाग से प्रो.रोली मिश्रा थी। आयोजन में प्रो.अनुप कुमार भारती एवं प्रो.गीतांजलि मिश्रा सहित अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

पहले दिन 15 व्याख्यान हुए

कार्यक्रम के पहले दिन 15 व्याख्यान और 23 पोस्टर प्रस्तुत किए गए. प्रयोग के पीरिस में नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के प्रो. जस्टिन जेएल की ओर से मोनोजीनियंस की गैर-एकाधिकारता पर चर्चा की. दक्षिण अफ्रीका में लिम्पोपो विश्वविद्यालय के आई पिक्रिलोवा ने 21वीं सदी में मोनोजेनियन वर्गीकरण के महत्व और स्थिति पर जोर दिया। पद्मश्री प्रो. वीना टंडन ने पॉलीस्टोम मोनोजेनियन स्पेक्ट्रम पर चर्चा की। अलीगढ़ मुस्लिम विवि के प्रोफेसर औदसिया तहसीन ने कृमि की विविधता पर चर्चा की। शाम को रंगारंग कार्यक्रम हुए। (माई सिटी रिपोर्टर)

एकेडमिक आडिट से होगी कालेजों को रैंकिंग, प्रोफार्म किया तैयार

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने विभागों से लेकर संबद्ध महाविद्यालयों का एकेडिक आडिट कराने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए प्रोफार्म तैयार कर लिया गया है, जिसे कुलपति के अनुमोदन के बाद कालेजों को भेजा जाएगा। कालेजों से आने वाले विवरण का मूल्यांकन कर उनकी रैंकिंग की जाएगी।

लविवि से संबद्ध लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, रायबरेली और लखीमपुर खीरी में 545 से ज्यादा कालेज हैं। बीते दिनों कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कालेजों के प्राचार्यों के साथ बैठक कर एकेडमिक आडिट के लिए कहा था। अब विश्वविद्यालय ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गोवर्धनजी मिश्र ने बताया कि विभागों एवं कालेजों के एकेडमिक आडिट कराने की प्रक्रिया चल रही है। प्रोफार्मा भी तैयार कर लिया गया है। कुलपति के अनुमोदन के बाद इसे जल्दी करके सूचनाएं ली जाएंगी। इसी आधार पर कालेजों की रैंकिंग भी होगी।

बीटेक. में अंक और कला प्रवेश का मौका: लखनऊ विश्वविद्यालय में बीटेक. पाठ्यक्रम की खाली सीटों पर सीधे प्रवेश का मौका नहीं और 10 अक्टूबर को भी दिया गया है। अभ्यर्थियों को सुबह 10 बजे जानकीपुरम स्थित द्वितीय कैंपस में सभी शैक्षिक अभिलेखों के साथ उपस्थित होना है। बीटेक. सिविल इंजीनियरिंग, बीटेक. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और बीटेक. मेकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश का मौका रहेगा।

एलयूआरएन पोर्टल खोलने की मांग

जासं, लखनऊ: लविवि की ओर से लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) पोर्टल बंद किए जाने से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी परेशान है। किया पंजीकरण वह किसी भी कालेज में प्रवेश नहीं ले पा रहे। इसलिए उन्होंने एक्स के माध्यम से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय, अतिरिक्त छात्र कल्याण डीन पोर्टल खोलने की मांग की है।

लविवि ने दाखिला सत्र में प्रवेश के लिए एलयूआरएन पर पंजीकरण अनिवार्य किया था। 22 सितंबर को यह पोर्टल बंद कर दिया गया, जबकि अभी दाखिलों में एल.एल.बी. सहित परास्नातक के प्रवेश जारी है। बिना पंजीकरण लविवि प्रवेश की मान्य नहीं करेगा। इसलिए कालेज भी ऐसे अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दे रहे है। बीते दिनों कुलपति ने कालेजों के साथ बैठक में कहा था कि एलयूआरएन के संबंध में विशेष परिस्थिति में निर्णय लिया जा सकता है। अभ्यर्थी इसी के इंतजार में हैं ताकि उन्हें प्रवेश मिल सके।

कबड्डी का ट्रायल आज

लखनऊ : आल इंडिया/नार्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स-2023-24 के अंतर्गत कबड्डी टीम के चयन के लिए खिलाड़ी छात्रों का ट्रायल लविवि के शिवाजी मैदान में सोमवार दोपहर 12 बजे से होगा। लखनऊ यूनिवर्सिटी एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन प्रो. रूपेश की ओर से नोटिफिकेशन जारी किया गया है। (जासं)

प्रतियोगिता 26 से

लखनऊ : लविवि के विधि संकाय के प्रो. बेनी क्लब की ओर से पहली इंटर-कालेजिएट वालडर्ज काउंसिलिंग प्रतियोगिता 26 से 28 अक्टूबर तक होगी। 23 अक्टूबर तक पंजीकरण किए जा सकेंगे। विधि संकाय के डीन प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में लखनऊ के सभी कालेजों के विधि के विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। प्रत्येक टीम में दो छात्र शामिल होंगे। एक ही संस्थान से कई टीमें पंजीकरण गूगल फार्म के माध्यम से https://forms.gle/PmZQTrs3z1YyonXL8 करा सकती हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

'कला को सरल बनाइए, जिसे जटिल बनाया गया वह खत्म हो गई'

जागरण संवाददाता, लखनऊ: कला की भाषा भी अंग्रेजी ही नहीं है, चित्र बनाकर चित्रकार उसके बीच अंग्रेजी में शीर्षक लिख देते हैं। यहां यह अपने कला को एक सीमा में बांध देते हैं। जबकि चित्र को पढ़ने किसी शीर्षक के दायरों के लिए छोड़ दीजिए कि यह क्या संकेत है। कला को जटिल पढ़ने की जरूरत नहीं है, सरल भाव ही सुगमता से लोगों के दिलों तक पहुंचाती है। जिसने भी कला को जटिल बनाया वह कला खत्म हो गई। यह कहना है कला समीक्षक अशोक भौमिक का। वह रविवार को कला और शिल्प महाविद्यालय के तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह में छात्र-छात्राओं से रूबरू थे।

उन्होंने छात्रों से कहा कि आज अपने आपको गढ़कर एक कलाकार बनाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को कविता पढ़ने का सुझाव भी दिया। कहा कि कविता से चेतना एक चित्रकार के लिए कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा भी कहा कि आर्ट कालेज से निकलकर यह भी मत सोचिए कि पैसे की बरसात हो जाएगी। चैरिट की मदद टैलेंट, पहले खुद को स्थापित कीजिए। गरीब समस्या से जूझो आप निखार नहीं सकते।

उन्होंने छात्र-छात्राओं के पूछे सवालों के जवाब भी दिए। कार्यक्रम में दूसरे सत्र में कला के विद्यार्थियों ने फैशन शो में अपनी प्रतिभा दिखाई। उधर, कालेज परिसर में दीवारों पर रावणन की प्रमुख घटनाओं को लेते हुए छात्र-छात्राएं चित्र बनाते रहे। कालेज के छात्रवर्ग रजत कुमार ने तीन दिन के सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी।

स्वर्णजंभ में आयोजित फैशन शो में भाग लेते छात्र-छात्राएं • जागरण

कला और शिल्प महाविद्यालय की स्थापना दिवस के तीसरे दिन कला समीक्षक ने किया संबोधन

कला व शिल्प महाविद्यालय की स्थापना दिवस के तीसरे दिन कला समीक्षक ने किया संबोधन फैशन शो में किया प्रतिभागम

तरह से चाहे उस तरह के चित्र तैयार किए जा सकते हैं, ऐसे दौर में हमें अपने भीतर की सृजनक्षमता को बाहरुप करने की जरूरत है। जब भी कुछ बनाइए तो सबसे पहले सोचिए कि क्या बनाऊंगा और कैसे बनाऊंगा।

केवल मीडियम बदल देने से आज डिस्टिंक्टिव नहीं हो सकती। कला बायनियल में पढ़ने भर से कोई कलाकार नहीं बन सकता। कालेज केवल डिग्री देते हैं, कालेज से ट्रूप मिलते हैं, जिसके सहारे अपने भीतर की सृजनक्षमता को बाहरुप करने की जरूरत है।

आर्टोपेडिशन ट्रेनिंगकेंद्र वानी एआइ और पैट जीपीटी की मदद से जिस तरह से चाहो उस तरह के चित्र तैयार किए जा सकते हैं, ऐसे दौर में हमें अपने भीतर की सृजनक्षमता को बाहरुप करने की जरूरत है। जब भी कुछ बनाइए तो सबसे पहले सोचिए कि क्या बनाऊंगा और कैसे बनाऊंगा।

केवल मीडियम बदल देने से आज डिस्टिंक्टिव नहीं हो सकती। कला बायनियल में पढ़ने भर से कोई कलाकार नहीं बन सकता। कालेज केवल डिग्री देते हैं, कालेज से ट्रूप मिलते हैं, जिसके सहारे

THE PIONEER PAGE 2

SYMPOSIUM

A four-day symposium on 'Monogenea', organised by the department of zoology, University of Lucknow, in collaboration with the Helminthological Society of India, was inaugurated on Sunday by Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai. The symposium, attended by over 30 foreign and 34 Indian researchers, will continue till October 11. Organising secretary Amit Tripathi welcomed the delegates and explained the purpose and the context of the symposium. On the first day, 15 lectures and 23 posters were presented.

लविवि : विशेषज्ञों ने संगोष्ठी में मोनोजेनिया पर किया मंथन

लखनऊ। लविवि के प्राणिशास्त्र विभाग में हेल्मिन्थोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से मोनोजेनिया पर चार दिवसीय संगोष्ठी का कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। इसमें 30 से अधिक विदेशी और 34 भारतीय शोधकर्ताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी 11 अक्तूबर तक चलेगी। संगोष्ठी में कुलपति ने सुझाव दिया विदेशी प्रतिनिधि लखनऊ और भारत के विभिन्न ऐतिहासिक व सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा करें। पहले दिन 15 व्याख्यान और 23 पोस्टर प्रस्तुत किए गए। फ्रांस के पेरिस में नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के प्रो. जस्टिन जेएल ने मोनोजीनियंस की गैर-एकाधिकारिता पर चर्चा की। दक्षिण अफ्रीका में लिम्पोपो विश्वविद्यालय के आई पिक्रिलोवा ने 21वीं सदी में मोनोजेनियन वर्गीकरण के महत्व और स्थिति पर जोर दिया। पद्मश्री प्रो. वीना टंडन ने पॉलिस्टोम मोनोजेनियन स्पेक्ट्रम पर चर्चा की। अलीगढ़ मुस्लिम विवि के प्रोफेसर औदसिया तहसीन ने कृमि की विविधता पर चर्चा की। शाम को रंगारंग कार्यक्रम हुए। (माई सिटी रिपोर्टर)

विवि में 9वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

TOI PAGE 3

4-day symposium begins at LU

At least 30 foreign and 34 Indian researchers will present their research work during a four-day symposium on Monogenea organised by the zoology department of the Lucknow University in collaboration with the Helminthological Society of India. The symposium was inaugurated on Sunday by LU vice-chancellor Prof Alok Rai.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 6

हॉस्टल में डांडियोत्सव, छात्राएं पुरस्कृत

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित डा.वी.आर.अंबेडकर गर्ल्स लॉ हास्टल में नवरात्रि के इस पावन अवसर पर डांडियोत्सव का आयोजन किया गया। 'डांडियोत्सव' पर मुख्य अतिथि, लविवि कुलपति की पत्नी श्रीमती संगीता राय, प्रोफेसर संगीता साहू और श्रीमती नमिता सिंह इस विशेष उत्सव में सम्मिलित हुई। नवरात्रि के जश्न मनाने के साथ ही छात्रावास के पूर्व छात्रों जिन्होंने हाल ही में यूपी-पीसीएस जे और यूपी-एपीओ, 2022 में सफलता हासिलकी थी, उसका भी जश्न मनाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। पूर्व छात्रों में सुश्री अंकिता सिंह, सुश्री अनुबाला शर्मा, सुश्री जागृति, सुश्री अनन्या वर्मा, सुश्री अंकिता सिंह और सुश्री आकांशा मिश्रा को सम्मानित किया गया। एलएलवी के 5 वर्षीय एवं 3 वर्षीय वैच की छात्राओं द्वारा गरबा और डांडिया प्रेषित नृत्य प्रदर्शन

लखनऊ विश्वविद्यालय

एवं अंताक्षरी से कार्यक्रम में चार चांद लग गए। छात्राओं को सर्वश्रेष्ठ पोशाक, सर्वश्रेष्ठ नृत्य प्रदर्शन और सर्वश्रेष्ठ अंताक्षरी के लिए भी पुरस्कृत किया गया।

शिपिज वाइब्स ग्रुप का डांडिया: आधुनिकता के रंगों के साथ संस्कृति की झलक लखनऊ शिपिज वाइब्स ग्रुप' द्वारा आयोजित डांडिया रास में देखने को मिली। गोमती नगर के लिनेज होटल में डांडिया रास का आयोजन किया गया। ग्रुप की ऑर्गेनाइजर डॉ. निशा चौधरी और समीक्षा सेंगर ने बताया कि आयोजित किए जाने वाले डांडिया रास में न सिर्फ गरबा हुआ बल्कि कई सारी कॉम्पीटिशन और गेम्स भी रखे गए।कार्यक्रम में डांडिया क्वीन का खिताब तुलसी को, डॉक्टर प्रीति मिश्रा को डांडिया स्टार, ईशा शोएब को फुट लूज, नीतू को कजरारे नैन, प्रियंका श्रीवास्तव को सेक्सी चोली, मनीषा मिश्रा को चार्मिंग फेस, प्रीति जैन को वेस्ट ड्रेस, वैष्णवी अनिशा को ट्विंकिंग स्टार तथा अंजू को वेस्ट हेयर डू का पुरस्कार समीक्षा सेंगर ने पुरस्कृत किया।

PIONEER PAGE 4

फैशन शो के साथ संपन्न कला एवं शिल्प महाविद्यालय का स्थापना दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कला एवं शिल्प महाविद्यालय का 112वां स्थापना दिवस रविवार को विभिन्न कार्यक्रमों के बीच फैशन शो के साथ सम्पन्न हो गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के आखिरी दिन आज छात्र-छात्राओं द्वारा कई शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

स्थापना दिवस के आखिरी दिन आज व्याख्यान से पूर्व राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन किया। जिसमें इन्होंने कथक में शिव आनन्द तांडव तथा शूफियाना अंदाज में संयोग श्रृंगार पर नृत्य प्रस्तुत कर अपने अभिनय तथा मुद्राओं से सबका ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर सबको रसानुभूति की। वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के डीन प्रो राजन श्रीपाद फुलारी ने कला एवं शिल्प महाविद्यालय के शिक्षण प्रणाली की भूरि से भूरि प्रशंसा कर यहाँ कार्यरत शिक्षक कलाकारों से ज्यादा से ज्यादा ग्रहण करने का तथा कठोर परिश्रम करने का सुझाव दिया। नई दिल्ली से आये चित्रकार व कला इतिहासकार अशोक भौमिक ने भारतीय प्राचीन चित्रकला, टैगोर परिवार की कला और अमृता शेरगिल के कला के साथ.साथ महाविद्यालय पर बंगाल स्कूल के मुखर प्रभाव पर प्रकाश डाला। युवा कलाकारों को स्वतन्त्र विचारधारा से, और अपनी एक विशिष्ट शैली से अपनी पहचान बनाने का भी सुझाव दिया। इस दौरान अतिथियों ने विवेक वर्मा, ज्ञानेन्द्र बीवीए द्वितीय वर्ष, मारिया खातून बीवीए तृतीय वर्ष तथा अनिल कुमार एमवीए द्वितीय वर्ष के क्रमशः चित्रों, इन्स्टालेशन तथा छाया चित्रों की सराहना की। समारोह समापन पर संयोजक प्रो.आलोक कुमार ने बताया कि आमंत्रित अतिथियों को कला स्रोत कला दीर्घा, लखनऊ के सहयोग से बुलाया गया है। इसके लिए गैलरी के निदेशक अनुराग डिडवानिया का आभार व्यक्त किया। साथ ही आमंत्रित अतिथि अशोक भौमिक एवं राजन श्रीपाद फुलारी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रविकान्त पाण्डेय, डॉ.अनीता कनौजिया, डॉ.पूनम रवि जायसवाल, लालजीत अहीर, धर्मेन्द्र कुमार, अमरनाथ गौड, डॉ.सपना बाजपेई, डॉ.ज्यायदीप दास गुप्ता, सुगन्धा महेश्वरी, अतुल हुन्छ, संजय कुमार, प्रशान्त चौधरी, गीतिका शुक्ला, रीतिका बुधराजा, महेश विश्वकर्मा, अनिरुद्ध दिवाकर, किरन आर्या, कमल आर्या तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, कवि, लेखक एवं साहित्यकार आदि मौजूद रहे।

एलयू में मोनोजेनिया पर 9वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा रविवार को हेल्मिन्थोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से मोनोजेनिया पर चार दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। चार दिवसीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ अमित त्रिपाठी ने शुभारंभ में प्रतिनिधियों का स्वागत किया और इस संगोष्ठी के उद्देश्य और संदर्भ को समझाया। कुलपति ने बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रतिभागियों को अगले चार दिनों में उनके विचार-विमर्श के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विदेशी प्रतिनिधि लखनऊ और भारत के विभिन्न ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा करें। पहले दिन 15 व्याख्यान और 23 पोस्टर प्रस्तुत किये गये। फ्रांस के पेरिस में नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के प्रो जस्टिन जेएल द्वारा मोनोजीनियंस की गैर.एकाधिकारता पर चर्चा दिन के मुख्य आकर्षणों में से एक थी। दक्षिण अफ्रीका में लिम्पोपो विश्वविद्यालय के आई पिक्रिलोवा ने इक्कीसवीं सदी में मोनोजेनियन वर्गीकरण के महत्व और स्थिति पर जोर दिया। डेनमार्क में कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के कर्ट बुचमैन ने 1776 से 2023 तक डेनमार्क में मोनोजेनियन अनुसंधान के इतिहास के बारे में बात की। पद्मश्री प्रोफेसर वीना टंडन ने अनुरान उभयचर में पॉलीस्टोम मोनोजेनियन स्पेक्ट्रम पर चर्चा की। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर औदसिया तहसीन ने कृमि की विविधता पर चर्चा की। इस संगोष्ठी के तहत शाम को रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से भारत की कला और लोक संस्कृति को प्रस्तुत किया। अनुफा प्रसाद द्वारा दक्षिण भारत के भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति के साथ समन्वय समूह द्वारा कथक के माध्यम से गणेश वंदना और उसके बाद सूफी कथक प्रस्तुत किया गया। तबला व सितार जुगलबंदी में नवीन मिश्र, संकल्प मिश्र व विकास मिश्र ने छाप छोड़ी। तुषार राणा द्वारा राजस्थानी, हरियाणवी एवं पंजाबी लोकनृत्य प्रस्तुत किये गये। अभिनव श्याम तिवारी ने अपने गिटार पर अंग्रेजी गानों की धुन बजाकर विदेशी मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में लविवि के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने श्रीलंका की अद्भुत प्रस्तुति दी.जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन जंतु विज्ञान विभाग से डॉ.आकांशा ने किया तथा कार्यक्रम की समन्वयक अर्थशास्त्र विभाग से प्रो.रोली मिश्रा थी। आयोजन में प्रो.अनुप कुमार भारती एवं प्रो.गीतांजलि मिश्रा सहित अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

छात्र-छात्राओं ने प्रतिभा का बिखेरा जलवा

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 112वें स्थापना दिवस के समापन समारोह में प्रो.राजन श्रीपाद फुलारी (डीन, वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन) और अशोक भौमिक (चित्रकार,कला इतिहासकार नई दिल्ली)का महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.रतन कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके पश्चात अतिथियों का परिचय छात्र-छात्राओं से कराया। व्याख्यानों के पूर्व राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने सुन्दर शास्त्रीय नृत्य पेश किया। जिसमें इन्होंने कथक में शिव आनन्द तांडव तथा सूफियाना अन्दाज में संयोग श्रृंगार पर नृत्य प्रस्तुत कर अपने अभिनय तथा मुद्राओं से सभी का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट कर रसानुभूति की। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम में अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां दी। साथ ही फैशन शो में छात्र-छात्राओं ने भारतीय व विदेशी आकर्षक परिधानों में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा। इसके पश्चात व्याख्यानों में राजन श्रीपाद फुलारी ने कला एवं शिल्प महाविद्यालय की शिक्षण प्रणाली की प्रशंसा की और छात्र-छात्राओं को यहां कार्यरत शिक्षकों से अधिक ज्ञान हासिल करने तथा कठोर परिश्रम करने का सुझाव दिया।

इस मौके पर अशोक भौमिक ने भारतीय प्राचीन चित्रकला, टैगोर परिवार की कला और अमृता शेरगिल की कला के साथ-साथ महाविद्यालय पर बंगाल स्कूल के मुखर प्रभाव पर प्रकाश डाला। युवा कलाकारों को स्वतंत्र विचारधारा से और अपनी एक विशिष्ट शैली से अपनी पहचान बनाने का भी सुझाव दिया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने विवेक वर्मा, ज्ञानेन्द्र (बीवीए तृतीय वर्ष) मारिया खातून (बीवीए तृतीय वर्ष) तथा अनिल कुमार (एमवीए द्वितीय वर्ष)के क्रमशः चित्रों, इन्स्टालेशन तथा छाया चित्रों की सराहना की। समारोह समापन पर संयोजक प्रो.आलोक कुमार ने बताया कि आमंत्रित अतिथियों को कला स्रोत कला दीर्घा, लखनऊ के सहयोग से बुलाया गया है। इसके लिए गैलरी के निदेशक अनुराग डिडवानिया का आभार व्यक्त किया। साथ ही आमंत्रित अतिथि अशोक भौमिक एवं राजन श्रीपाद फुलारी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रविकान्त पाण्डेय, डॉ.अनीता कनौजिया, डॉ.पूनम रवि जायसवाल, लालजीत अहीर, धर्मेन्द्र कुमार, अमरनाथ गौड, डॉ.सपना बाजपेई, डॉ.ज्यायदीप दास गुप्ता, सुगन्धा महेश्वरी, अतुल हुन्छ, संजय कुमार, प्रशान्त चौधरी, गीतिका शुक्ला, रीतिका बुधराजा, महेश विश्वकर्मा, अनिरुद्ध दिवाकर, किरन आर्या, कमल आर्या तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, कवि, लेखक एवं साहित्यकार आदि मौजूद रहे।

छात्राओं ने डांडिया नृत्य से कार्यक्रम में लगाए चार चांद

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर के डॉ.बीआर अंबेडकर गर्ल्स लॉ हास्टल में उत्सवों के अनंत उत्साह और ऊर्जा से सभी को सराबोर करने के लिए नवरात्रि से पूर्व ही छात्राओं ने इसकी शुरुआत कर दी। डॉ. बीआर की प्रोवोस्ट डॉ.अर्चना सिंह के नेतृत्व में डांडियोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई अतिथियों ने वीवीए द्वितीय वर्ष के विवेक वर्मा, ज्ञानेन्द्र, वीबीए तृतीय वर्ष की मारिया खातून और एमवीए द्वितीय वर्ष के अनिल कुमार के चित्रों, इन्स्टालेशन तथा छाया चित्रों को देखा और सराहना की। नमिता सिंह इस विषेश उतसव में सम्मिलित हुई। उक्त कार्यक्रम नवरात्रि के जश्न के साथ ही छात्रावास के पूर्व छात्रों की सफलता का जश्न मनाने के लिए भी आयोजित किया गया। जिन्होंने हाल ही में यूपी-पीसीएस जे और यूपी-एपीओ-2022 में सफलता हासिल की थी। पूर्व छात्रों में अंकिता सिंह, अनुबाला शर्मा, जागृति, अनन्या वर्मा, अंकिता सिंह और आकांशा मिश्रा शामिल रही। सभी छात्राओं को उनकी सफलता एवं लविवि तथा छात्रावास को गौरवान्वित करने के लिए इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

छात्रों ने मनमोहक प्रस्तुतियों से विदेशी मेहमानों को किया मंत्रमुग्ध

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा हेल्मिन्थोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से मोनोजेनिया पर चार दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन लविवि कुलपति

प्राणीशास्त्र विभाग में चार दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ

प्रो.आलोक कुमार राय ने किया। जिसमें 30 से अधिक विदेशी और 34 भारतीय शोधकर्ताओं ने भाग लिया। इस चार दिवसीय सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. अमित त्रिपाठी ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और इसके उद्देश्य और संदर्भ को समझाया। कुलपति ने बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रतिभागियों को अगले चार दिनों में उनके विचार-विमर्श के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विदेशी प्रतिनिधि लखनऊ और भारत के विभिन्न ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा करें। पहले दिन 15 व्याख्यान और 23 पोस्टर प्रस्तुत किये गये। फ्रांस के पेरिस में नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री के प्रो जस्टिन जेएल द्वारा मोनोजीनियंस की गैर-एकाधिकारता पर चर्चा दिन के मुख्य आकर्षणों में से एक थी। दक्षिण अफ्रीका में लिम्पोपो विश्वविद्यालय के आई पिक्रिलोवा ने इक्कीसवीं सदी में मोनोजेनियन वर्गीकरण के महत्व और स्थिति पर जोर दिया। डेनमार्क में कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के कर्ट बुचमैन ने 1776 से 2023 तक डेनमार्क में मोनोजेनियन अनुसंधान के इतिहास के बारे में बात की। पद्मश्री प्रोफेसर वीना टंडन ने अनुरान उभयचर में पॉलीस्टोम मोनोजेनियन स्पेक्ट्रम पर चर्चा की। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर औदसिया तहसीन ने कृमि की विविधता पर चर्चा की। इस संगोष्ठी के तह